



किसी भी तरह के
विज्ञापन एवं समाचार
के लिए संपर्क करें मो: ०९८९१७०६८५३

दैनिक

समाज जागरण

नोएडा उत्तर प्रदेश, दिल्ली एनसीआर, हरियाणा, पंजाब बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड असम से प्रसारित

TITLE CODE : UPHIN49919



वर्ष: 01 अंक: 281 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) मंगलवार 19 जुलाई 2022

vatankiawaz@gmail.com

पेज: 12 मूल्य 05 रुपया

श्रावण मास के पहले सोमवार को बमभोले व ॐ नमः शिवाय के उद्घोषों से गूंज उठे शिवालय

(हरेश उपाध्याय)

दिल्ली एन सी आर-आज श्रावण मास के पहले सोमवार को पूरे दिल्ली एन सी आर (नोएडा, गुरुग्राम, फरीदबाद, गजियाबाद) में हर शिव मन्दिर में भक्तों की भारी भीड़ देखी गई। भक्त हर हर महादेव, ॐ नमः शिवाय और बमभोले अन्य तरह के भक्तिभाव से परिपूर्ण जयघोष करते रहे। भक्तों ने परमपरात तरीके से शिव लिंग पर दूध, पानी से जलाभिषेक कर, भाँग धूते, बेल पत्र और फल-फूल चढ़ाक भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना की। हिन्दू धर्म से सावन के महीने को सबसे पवित्र महीना माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि पूरा सावन का महीना भगवान भोलेनाथ का होता है और सोमवार को तो विशेष महत्व होता है। इसलिए भक्त इस पूरे महीने में भगवान भोलेनाथ की खबू

पूजा अर्चना करते हैं।

कई भक्त गंगा नदी से गंगाजल लेकर कई किलोमीटर तक पैदल कांवर लाकर भगवान भोलेनाथ पर जल चढ़ाते हैं। जिसके कारण इस पूरे महीने शिव मन्दिर में भक्तों की भारी भीड़ होती है।

सावन के पहले सोमवार के अवसर पर महिलाओं के प्रसिद्ध शिव मन्दिर में भी भक्तों की भारी भीड़ देखी गई। यहां सुबह से ही भक्तों का तांता लगा हुआ था। भक्तों ने मर्त्रोंचरण के साथ भगवान भोलेनाथ की पूजा पाठ की और जल व दूध, बेलपत्र, भाँग,

धूते, फूल, फल, प्रसाद इत्यादि शिव लिंग पर चढ़ाक भगवान को खुश किया। भक्तों की भारी भीड़ और जयघोषों के कारण दिल्ली एन सी आर के लगभग सारे शिवालय धर्मकार्य में डूबे देखें गए।



फेमिना मिस इंडिया 2022 की सेकेंड रनरअप शिनाता चौहान का आईजीआई हवाई अड्डे पर स्वागत



(हरेश उपाध्याय, नीरज अवस्था) दिल्ली:- फेमिना मिस इंडिया 2022 की सेकेंड रनरअप, दिल्ली निवासी शिनाता चौहान का आज इंडिया गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, नई दिल्ली में गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस सौन्दर्य प्रतियोगिता का फिनाले हाल ही में मुंबई में जियो कहा कि वह समाज में सकारात्मक बदलाव वर्ल्ड सेंटर में आयोजित हुआ था शिनाता के भाई

सूर्योदय चौहान और मां कविता चौहान के साथ उनके रिश्तेदारों, दोस्तों और पड़ोसियों सहित 50 से अधिक लोगों ने ब्यूटी क्वीन की अगवानी के लिए हवाई अड्डे पर पहुंच कर उहां माला पहनाई और उन पर पुष्प वर्षा की। अपने गृहनार दिल्ली पीढ़ी पहुंचने पर, शिनाता ने इस तरह के गर्भजोशी भरे स्वागत के लिए अपने माता-पिता और समर्थकों का आभार व्यक्त किया। शिनाता ने कहा, "मुझे इतना प्यार और शुभकामनाएं देने के लिए मैं दिल की गहराइयों से आप सभी का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं। मैं अपने माता-पिता को उनके अपार समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं, जो हमेशा मेरे अच्छे और बुरे समय में मेरे साथ खड़े रहे। उनके आशीर्वाद और अथक प्रयास के बिना इस मुकाम तक पहुंचना संभव नहीं था।" शिनाता ने खुलासा किया कि वह अपनी आवाज का इस्तेमाल अन्य लड़कियों को प्रेरित करने के लिए करेगी। उहांने कहा कि वह समाज में सकारात्मक बदलाव लाना चाहती है।

कलयुग में श्रवण कुमार बनकर मां-बाप को कांवर में बैठा कराई देवघर यात्रा, चर्चा का बना विषय।

समाज जागरण /प्रमंडलीय व्युरो

राजीव पाण्डेय के साथ निर्धय चौधे।

भागलपुर/सुल्तानगंज, कहते हैं 'बुलंद झारदों से लिखते हैं हम तरकीर अपनी हमारे किस्मत हाथ की लकीरों की मोहताज नहीं...सेवा से बड़ा कोई

सुलतानगंज गंगा घाट पर गंगा स्नान के बाद अपने

माता पिता को कांवर में बैठाकर चन्दन और उसकी पत्ती रानी देवी बाबा भोलेनाथ की नगारी देवघर के लिए निकले हैं। मोंक पर मोंजूद सभी लोग यह नजारा देख रहे गए। वहाँ कुछ पुलिस जवानों ने सहारा देकर कांवर उठाने में मदद भी करते रहे। आपको बता दें कि बाबाधाम देश के 12 ज्येतिलिंगों में एक जो देवघर में है।

झारखंड के देवघर में स्थित इस मनोकामना ज्येतिलिंग के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ता है। यह सिलसिला रोजाना सुबह 4 बजे से शुरू होता है जो रात 10

तक चलता रहा है। गौर हो कि विहार के सुलतानगंज

स्थित उत्तर वाहिनी गंगा से लेकर झारखंड के देवघर

स्थित बाबाधाम तक 108 किलोमीटर लंबे क्षेत्र में यह एशिया का सबसे लंबा मेला माना जाता है।

धर्म नहीं है और ना ही कोई पुजा है।' जी हां हम बात कर रहे हैं जहानाबाद के रहने वाले चंदन कुमार की जो कलियुग में श्रवण कुमार बनकर अपने मां और पिता को कांवर में बैठाकर तीर्थ करने निकला।

तक चलता रहा है। गौर हो कि विहार के सुलतानगंज

स्थित उत्तर वाहिनी गंगा से लेकर झारखंड के देवघर

स्थित बाबाधाम तक 108 किलोमीटर लंबे क्षेत्र में

धर्म नहीं है और ना ही कोई पुजा है।' जी हां हम बात कर रहे हैं जहानाबाद के रहने वाले चंदन कुमार की जो कलियुग में श्रवण कुमार बनकर अपने मां

और पिता को कांवर में बैठाकर तीर्थ करने निकला।

धर्म नहीं है और ना ही कोई पुजा है।' जी हां हम बात कर रहे हैं जहानाबाद के रहने वाले चंदन कुमार की जो कलियुग में श्रवण कुमार बनकर अपने मां

और पिता को कांवर में बैठाकर तीर्थ करने निकला।

धर्म नहीं है और ना ही कोई पुजा है।' जी हां हम बात कर रहे हैं जहानाबाद के रहने वाले चंदन कुमार की जो कलियुग में श्रवण कुमार बनकर अपने मां

और पिता को कांवर में बैठाकर तीर्थ करने निकला।

धर्म नहीं है और ना ही कोई पुजा है।' जी हां हम बात कर रहे हैं जहानाबाद के रहने वाले चंदन कुमार की जो कलियुग में श्रवण कुमार बनकर अपने मां

और पिता को कांवर में बैठाकर तीर्थ करने निकला।

धर्म नहीं है और ना ही कोई पुजा है।' जी हां हम बात कर रहे हैं जहानाबाद के रहने वाले चंदन कुमार की जो कलियुग में श्रवण कुमार बनकर अपने मां

और पिता को कांवर में बैठाकर तीर्थ करने निकला।

धर्म नहीं है और ना ही कोई पुजा है।' जी हां हम बात कर रहे हैं जहानाबाद के रहने वाले चंदन कुमार की जो कलियुग में श्रवण कुमार बनकर अपने मां

और पिता को कांवर में बैठाकर तीर्थ करने निकला।

धर्म नहीं है और ना ही कोई पुजा है।' जी हां हम बात कर रहे हैं जहानाबाद के रहने वाले चंदन कुमार की जो कलियुग में श्रवण कुमार बनकर अपने मां

और पिता को कांवर में बैठाकर तीर्थ करने निकला।

धर्म नहीं है और ना ही कोई पुजा है।' जी हां हम बात कर रहे हैं जहानाबाद के रहने वाले चंदन कुमार की जो कलियुग में श्रवण कुमार बनकर अपने मां

और पिता को कांवर में बैठाकर तीर्थ करने निकला।

धर्म नहीं है और ना ही कोई पुजा है।' जी हां हम बात कर रहे हैं जहानाबाद के रहने वाले चंदन कुमार की जो कलियुग में श्रवण कुमार बनकर अपने मां

और पिता को कांवर में बैठाकर तीर्थ करने निकला।

धर्म नहीं है और ना ही कोई पुजा है।' जी हां हम बात कर रहे हैं जहानाबाद के रहने वाले चंदन कुमार की जो कलियुग में श्रवण कुमार बनकर अपने मां

और पिता को कांवर में बैठाकर तीर्थ करने निकला।

धर्म नहीं है और ना ही कोई पुजा है।' जी हां हम बात कर रहे हैं जहानाबाद के रहने वाले चंदन कुमार की जो कलियुग में श्रवण कुमार बनकर अपने मां

और पिता को कांवर में बैठाकर तीर्थ करने निकला।

धर्म नहीं है और ना ही कोई पुजा है।' जी हां हम बात कर रहे हैं जहानाबाद के रहने वाले चंदन कुमार की जो कलियुग में श्रवण कु

सावन की पहली सोमवार को श्रद्धालुओं ने सोफा मंदिर पर किया जलाभिषेक।

समाज जागरण मोहम्मद आजाद

गौनाहा / प्रखंड अंतर्गत सोमवार को सावन की पहली सोमवारी को प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। साथ ही पूजा-अचर्चा भी की। इस अवसर पर प्रखंड के सभी शिवालयों को विशेष रूप से सजाया गया।

सावन की १० ह ल ११ सोमवारी को सुबह से ही क्षेत्र के शिव मंदिरों में चहल-पहल शुरू हो गयी। श्रद्धालुओं ने शिवलिंग पर जलाभिषेक कर पूजा-अचर्चा भी की। सुबह से ही प्रखंड के सभी मंदिरों में श्रद्धालु भक्तों की लंबी कतरे देखी गई। बम-बम भोले और हर-हर महादेव के स्वर से अंबर गूंज उठा था। इसी बीच भक्तों ने मंदिरों में भगवान शिवलिंग पर दूध, जल, शहद और बेल पत्र चढ़ाया। प्रखंड के कई जगहों पर मंदिर के पास ही पूजा सामग्री की अस्थायी दुकानें सभी हुई थीं। मंदिरों के बाहर भजन से पूरा वातावरण भर्किया हो गया है। सावन को लेकर ऐतिहासिक प्राचीन सोफा मंदिर में शिव के मंदिर में विशेष जगती की गयी थी। और रात्रि के 12:00 बजे से ही श्रद्धालु भक्तों की भीड़ बहां उमड़ने लगी थी।

प्रधानाध्यापक के निधन से सभी हुए शोकाकुल।

समाज जागरण मोहम्मद आजाद

गौनाहा / प्रखंड के रुखोंहर परियोजना लप्स दु विद्यालय के विशेषक पूर्व प्रधानाध्यापक राजेंद्र प्रसाद की मौत हो जाने से क्षेत्र में मातम पसरा हुआ है। इसकी पृथी करते हुए उनके पुत्र मनोज प्रसाद ने बताया कि सोमवार की 11 बजे दिन में उन्होंने अपने नौजी आवास पर अपाम सांस लिया है। उनका अतिम सर्वकाम खिणानाटोरी स्थित पंडेड नदी के तट पर सोमवार की शाम को किया गया। रुखोंहर परीयोजना लप्स दु विद्यालय के प्रधानाध्यापक रहते विद्यालय से सेवानिवृत्त हुए थे। विद्यालय में उनका अहम योगदान रहा है। उनके पृथी करते बच्चे अंज दश में अलग-अलग जगहों पर अपनी सेवा दे रहे हैं। उनके मौत से क्षेत्र के साथ-साथ उनके परिवार में मातम पसरा हुआ है।

श्रीमद्भागवत कथा का समापन आज।

समाज जागरण

कथा का समापन मंगलवार को बाईं नंबर तीन निवासी शिक्षक चंदन कुमार के आवास पर गत तेरह जुलाई से श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया

जा रहा है। इसका समापन मंगलवार को होगा। यह जानकारी कथा आयोजक खिण्ड कुमार एवं सिद्धु कुमार ने दी। आयोजक ने बताया कि यह कथा मौरा, जमुई निवासी शिक्षक पंडित अमियकांत ज्ञ उर्फ कन्हैया ज्ञ के नेतृत्व में हो रहा है।

नवादा जिले का सुखाड़ क्षेत्र धोधित करे सरकार : धीरेन्द्र

समाज जागरण नवादा(आर्मन मोहन)

नवादा :लोजा (रामविलास) के राष्ट्रीय प्रवक्ता धीरेन्द्र कुमार मुना ने नवादा जिले को सुखाड़ क्षेत्र पोषित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि नवादा ही नहीं दक्षिण बिहार के अधिकाश हिस्सों में एक जैसा स्थिति है। बारिश नहीं हो रही है, ऐसे में धान की रोपाई शुरू नहीं हो पर रही है। बिचड़ा बचाना मुश्किल हो रहा है।



उन्होंने सुखाड़ प्रभावित सभी जिलों में किसानों के लिए डीजल अनुदान को दोगुना करें, किसानों का बिजली का बकाया बिल माफ करने की जरूरत है। इस संबंध में इन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर संबंधित सभी जिलों के दिवानों को ध्यान में रखकर अधिकारियों की टीम से नुकसान का अकलन कराने फिर राहत सहायता देने की मांग की है। डीएम नवादा से भी बात कर सभी प्रखंडों से रिपोर्ट लेकर सरकार को भेजने का आग्रह किया है। इन्होंने कहा कि अनुपतिक वर्ष नहीं होना चांता की विषय है।

बता दें कि सावन माह के 5 दिन बीत गए हैं, अबतक धान की रोपाई शुरू हो गई है। इसी का संकट बना हुआ है। आयोजक ने बताया कि यह कथा मौरा, जमुई निवासी शिक्षक पंडित अमियकांत ज्ञ उर्फ कन्हैया ज्ञ के नेतृत्व में हो रही थी।

जहानाबाद प्रथम सोमवारी को वाणावर में 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक।

हर हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा वाणावर पहाड़ एस्पी दीपक रंजन ने लिया सुरक्षा व्यवस्था का जायजा।

दैनिक समाज जागरण जहानाबाद से (बरण कमरा)

जहानाबाद सावन के पहली सोमवारी पर जिले के ऐतिहासिक वाणावर पहाड़ स्थित वाणा सिद्धेश्वर नाथ मंदिर में जलाभिषेक करने 50 हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंचे। जानकारी के अनुसार रात्रि 12:00 बजे से ही

श्रद्धालुओं का पहुंचा शुरू हो गया था। वही हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा पहाड़ इलाका गूंज रहा था। दूर-दूर तक श्रद्धालुओं की कतरा दिखे रही थी। हर किसी को बस यही इच्छा की कि किसी तरह पहाड़ की अंगी चोटी तक पहुंचकर बाबा सिद्धेश्वर नाथ मंदिर में अपने हाथों से जलाभिषेक कर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया जाए। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार का असुविधा नहीं हो सकती लेकर जिला प्रशासन और तरीकों से चौक चौक में अस्ताना के जलाभिषेक कर बाबा की राय लिया। सोमवार की अंधीकरण द्वारा सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। सोमवार की अंधीकरण द्वारा सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिये जाने का अधीकरण द्वारा सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

जहानाबाद प्रथम सोमवारी को वाणावर में 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक।

हर हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा वाणावर पहाड़ एस्पी दीपक रंजन ने लिया सुरक्षा व्यवस्था का जायजा।

दैनिक समाज जागरण जहानाबाद से (बरण कमरा)

जहानाबाद सावन के पहली सोमवारी पर जिले के ऐतिहासिक वाणावर पहाड़ स्थित वाणा सिद्धेश्वर नाथ मंदिर में जलाभिषेक करने 50 हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंचे। जानकारी के अनुसार रात्रि 12:00 बजे से ही

श्रद्धालुओं का पहुंचा शुरू हो गया था। वही हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा पहाड़ इलाका गूंज रहा था। दूर-दूर तक श्रद्धालुओं की कतरा दिखे रही थी। हर किसी को बस यही इच्छा की कि किसी तरह पहाड़ की अंगी चोटी तक पहुंचकर बाबा सिद्धेश्वर नाथ मंदिर में अपने हाथों से जलाभिषेक कर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया जाए। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार का असुविधा नहीं हो सकती लेकर जिला प्रशासन और तरीकों से चौक चौक में अस्ताना के जलाभिषेक कर बाबा की राय लिया। सोमवार की अंधीकरण द्वारा सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। सोमवार की अंधीकरण द्वारा सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिये जाने का अधीकरण द्वारा सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

श्रद्धालुओं का पहुंचा शुरू हो गया था। वही हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा पहाड़ इलाका गूंज रहा था। दूर-दूर तक श्रद्धालुओं की कतरा दिखे रही थी। हर किसी को बस यही इच्छा की कि किसी तरह पहाड़ की अंगी चोटी तक पहुंचकर बाबा सिद्धेश्वर नाथ मंदिर में अपने हाथों से जलाभिषेक कर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया जाए। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार का असुविधा नहीं हो सकती लेकर जिला प्रशासन और तरीकों से चौक चौक में अस्ताना के जलाभिषेक कर बाबा की राय लिया। सोमवार की अंधीकरण द्वारा सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

जहानाबाद प्रथम सोमवारी को वाणावर में 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक।

हर हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा वाणावर पहाड़ एस्पी दीपक रंजन ने लिया सुरक्षा व्यवस्था का जायजा।

दैनिक समाज जागरण जहानाबाद से (बरण कमरा)

जहानाबाद सावन के पहली सोमवारी पर जिले के ऐतिहासिक वाणावर पहाड़ स्थित वाणा सिद्धेश्वर नाथ मंदिर में जलाभिषेक करने 50 हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंचे। जानकारी के अनुसार रात्रि 12:00 बजे से ही

श्रद्धालुओं का पहुंचा शुरू हो गया था। वही हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा पहाड़ इलाका गूंज रहा था। दूर-दूर तक श्रद्धालुओं की कतरा दिखे रही थी। हर किसी को बस यही इच्छा की कि किसी तरह पहाड़ की अंगी चोटी तक पहुंचकर बाबा सिद्धेश्वर नाथ मंदिर में अपने हाथों से जलाभिषेक कर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया जाए। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार का असुविधा नहीं हो सकती लेकर जिला प्रशासन और तरीकों से चौक चौक में अस्ताना के जलाभिषेक कर बाबा की राय लिया। सोमवार की अंधीकरण द्वारा सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

श्रद्धालुओं का पहुंचा शुरू हो गया था। वही हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा पहाड़ इलाका गूंज रहा था। दूर-दूर तक श्रद्धालुओं की कतरा दिखे रही थी। हर किसी को बस यही इच्छा की कि किसी तरह पहाड़ की अंगी चोटी तक पहुंचकर बाबा सिद्धेश्वर नाथ मंदिर में अपने हाथों से जलाभिषेक कर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया जाए। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार का असुविधा नहीं हो सकती लेकर जिला प्रशासन और तरीकों से चौक चौक में अस्ताना के जलाभिषेक कर बाबा की राय लिया। सोमवार की अंधीकरण द्वारा सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

श्रद्धालुओं का पहुंचा शुरू हो गया था। वही हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा पहाड़ इलाका गूंज रहा था। दूर-दूर तक श्रद्धालुओं की कतरा दिखे रही थी। हर किसी को बस यही इच्छा की कि किसी तरह पहाड़ की अंगी चोटी तक पहुंचकर बाबा सिद्धेश्वर नाथ मंदिर में अपने हाथों से जलाभिषेक कर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया जाए। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार का असुविधा नहीं हो सकती लेकर जिला प्रशासन और तरीकों से चौक चौक में अस्ताना के जलाभिषेक

